



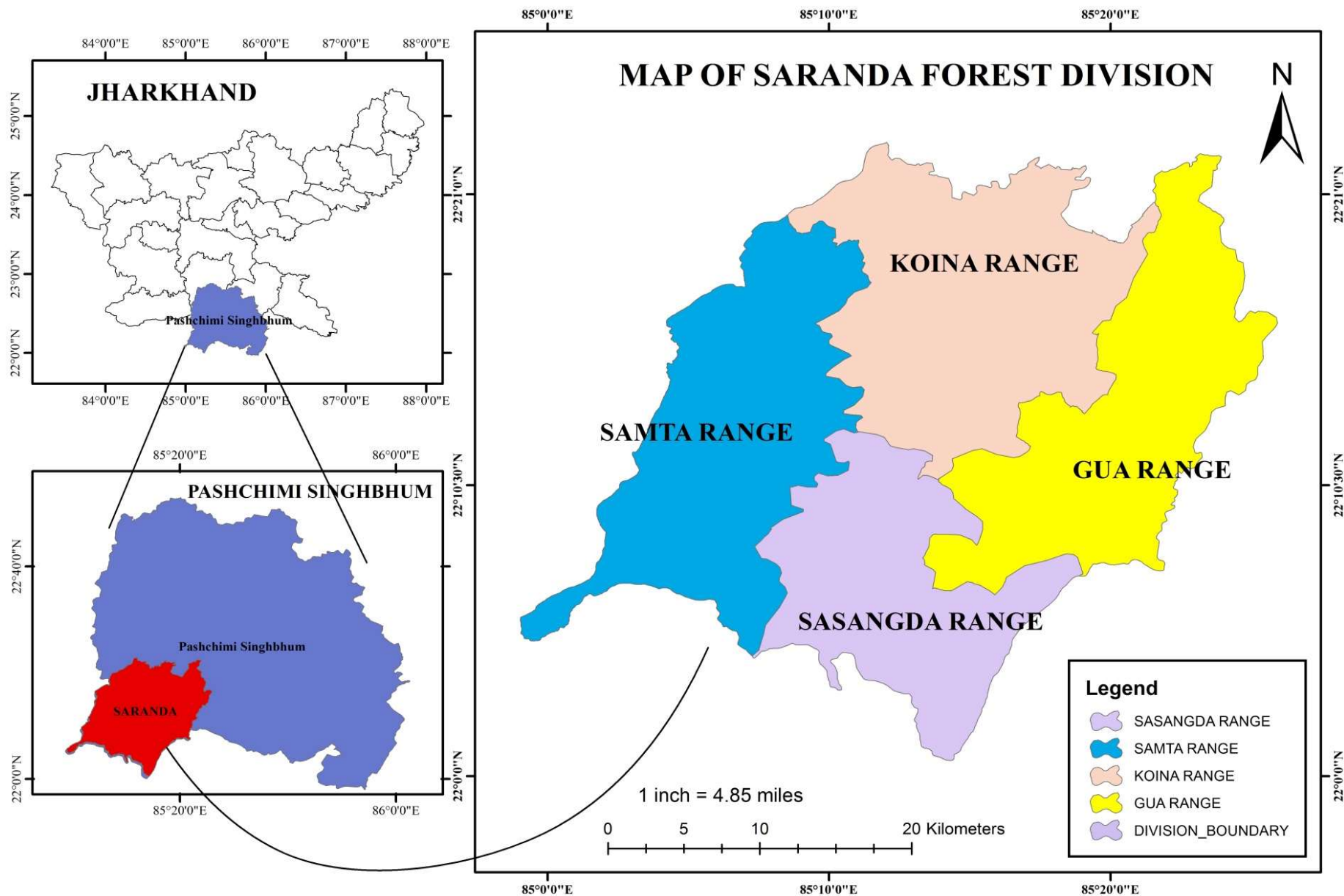
Achievements & Innovation by Saranda Forest Division Chaibasa

Presented By
Divisional Forest Officer

Saranda – Short Background

The Saranda division which was carved out of Porahat division on 1st of April 1924 comprises of 81664.17 ha of Reserved Forests and 3989.93 ha of Protected Forests (Total **85654.09** Ha)

The forests of the Saranda Division, are situated in the Saranda Pir (paragana) which forms the south-western part of the West Singhbhum district. The Saranda division shares a part of the boundary in the north with Porahat and Kolhan divisions separated by railway line and Koina River. On the eastern side boundary is shared with Chaibasa South and Kolhan Forest divisions. On the south eastern side the division boundary is shared with Keonjhar district of Orissa state while on the western and north-western side the boundary is shared with Sundergarh district of Orissa. The southern boundary of Saranda is shared with Keonjhar districts of Orissa state.





WILDLIFE



SSWMP(Site Specific Wildlife Management Plan)

2 Sites Completed

- SAIL, Kiriburu & Meghahatuburu(Rs 5996.244 Lakh)
- TATA LONG PRODUCT(Rs 1506.39 Lakh)

ANIDERS

सारंडा के कुमडीह में लगा एनाइडर, हाथी के आते ही बजेगा हूटर



कुमडीह में एनाइडर का उद्घाटन करते सारंडा डीएफओ चंद्रमौली प्रसाद सिन्हा • जागरण

जागरण संवाददाता, चाईबासा : सारंडा वन प्रमंडल की ओर से रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की शुरुआत कुमडीह गांव में एनाइडर्स स्टार्ट कर की गई। कुमडीह गांव में हाथी आने पर हूटर बज जाएगा। ग्रामीण व हाथी दोनों सावधान हो जायेंगे। ये एनाइडर्स टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स के सहयोग से लगाए गए हैं। एनाइडर्स की उद्घाटन के बाद कुमडीह के ग्रामीणों के बीच पौधे का वितरण किया गया। इस दौरान कुमडीह के सेंगिया एंग्रिया ने वन विभाग से अनुरोध किया कि कुमडीह सेडल मार्ग पर नाका लगाया जाए। वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट प्लान के तहत बनाए गए कैनोपी ब्रिज का उद्घाटन किया गया। इसका उपयोग आमतौर पर बंदरों, गिलहरियों और अन्य वृक्षावासी प्रजातियों के लिए किया जाता है। कार्यक्रमों के अलावा वन विश्रामागार, बराईबुरु प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस के केवल एक पृष्ठों विषय पर पाट पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने

गुवा आइटीआई परिसर में रोपे गए पौधे

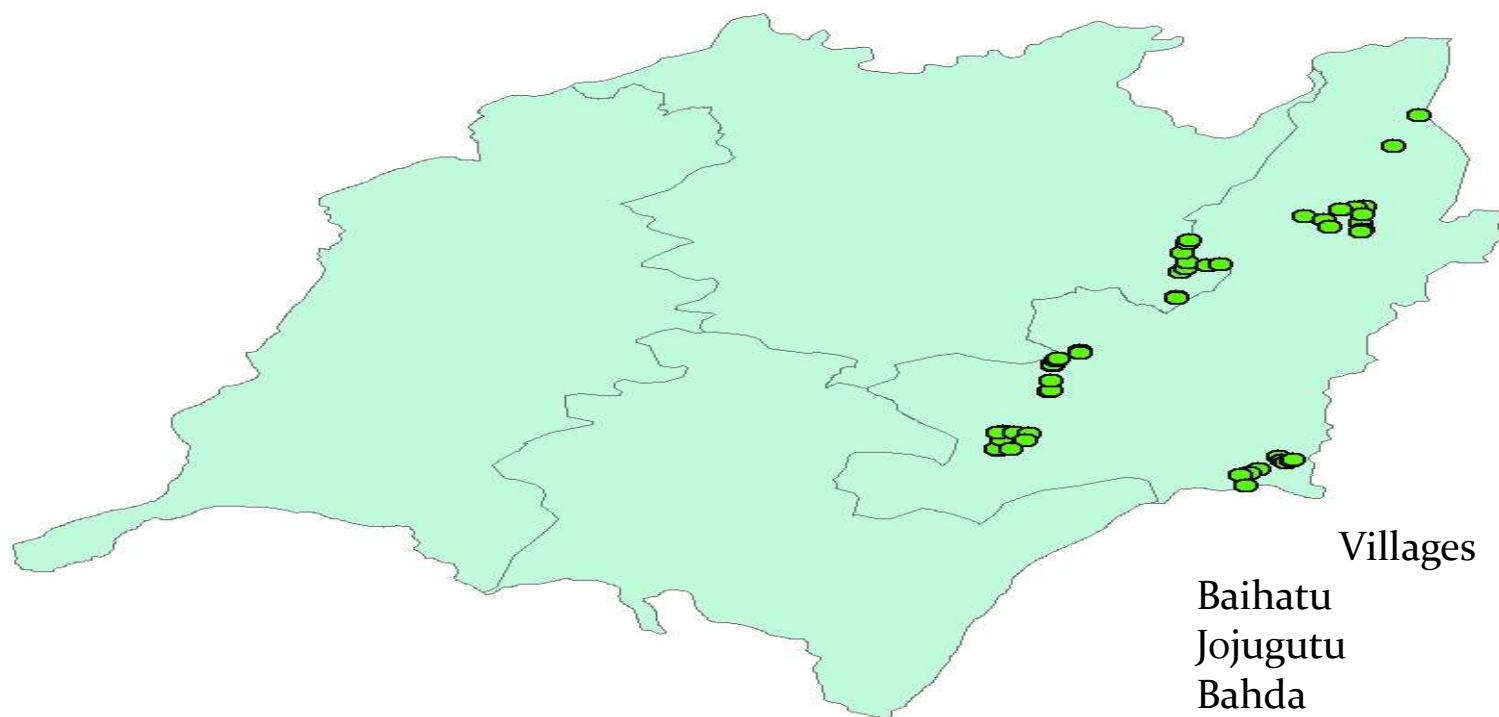
संसू, गुवा : सेल गुवा क्षेत्र अंतर्गत आइटीआई परिसर गुवा में पौधारोपण के माध्यम से मुख्य महाप्रबंधक विपिन कुमार गिरी व गुवा अयस्क खान सेल के अन्य अधिकारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण कर पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में हरियाली, आक्सीजन व सुंदरता को प्रदान करने वाली काजू, आम, लीची व अन्य पौधा लगाया गया। विपिन

कुमार गिरी ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा व हरियाली हमारे जीवन में बहुत ही जरूरी है। सभी को अपने-अपने घरों के आसपास की खाली जगह पर पौधा लगाना चाहिए। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहने के साथ-साथ हमें अत्यधिक मात्रा में आक्सीजन मिलती है। मीके पर महाप्रबंधक दीपक प्रकाश, उप महा प्रबंधक डा. टीसी आनंद, वरीय प्रबंधक राकेश, नंदकुलियोर आदि लोग उपस्थित थे।

कक्षा 1 से 7 एवं कक्षा 8 व उच्च वर्ग दो भाग में इस प्रतियोगिता में भाग लिया। कक्षा 1 से 7 में प्रथम स्थान सक्षम बिरुवा ने प्राप्त किया। प्रतीक कुमार सिंह द्वितीय स्थान पर रहे। तृतीय स्थान पर तनुश्री रावत रही। कक्षा 8 व उच्च वर्ग में प्रथम स्थान पायल कुमारी ने प्राप्त किया। वहीं, लोपा मुद्रा नायक द्वितीय स्थान पर रही। तृतीय स्थान पर श्रुति मिश्रा रही। सभी विद्यार्थी केन्द्रीय

विद्यालय, मेघाहातुबुरु के है। सारंडा डीएफओ चंद्रमौली प्रसाद सिन्हा, सैलग्न पदाधिकारी प्रजेश कांता जेना, ससंगदा वन क्षेत्र पदाधिकारी राजेश्वर प्रसाद, गुवा वन क्षेत्र पदाधिकारी एके त्रिपाठी, सारंडा वन प्रमंडल के उप परिसर पदाधिकारी व सभी कर्मचारी एवं टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स लिमिटेड के देवाशीष मुखर्जी, देवाशीष दास, रमेश कुमार आदि मौजूद थे।

ANIDERS in Saranda Division



Villages

Baihatu
Jojugutu
Bahda
Rajabera
Kumdi
Kasiya-Pecha
Ghatkuri
Tatiba

Total- 50

Canopy Bridge



Day Celebrations



World Environment Day 2022



Environment Day Celebration, Painting at Baraiburu



Wall Painting at Kiriburu



SMC

Watershed



Pond at Jaraikela



Check Dam at Karampada



Check Dam at Ghatkuri



Check Dam at Nuiya



TCB at Jaraikela

CAT(Catchment Area Treatment Plan)



चाईबासा भास्कर 12-02-2022

अच्छी खबर... रोजगार सृजन, वन्य जीव के अस्तित्व को बचाने की भी होगी कवायद खनन प्रभावित सारंडा के नदी-नालों के बचाव को 120 करोड़ की योजना स्वीकृत



1912 में 700 पहाड़ियों से घिरे सारंडा का हुआ था सीमांकन

अमित राज | मनोहरपुर

वन विभाग की ओर से एशिया प्रसिद्ध सारंडा अंतर्गत विभिन्न लौह-अयस्क खदानों से प्रभावित हो रहे नदी-नालों व अन्य वन्य जीवों को बचाने के लिए भारत सरकार के निर्देश पर सारंडा वन प्रमंडल की ओर से कवायद शुरू हो गई है। इसको लेकर 120 करोड़ रुपये के एक प्रोजेक्ट कैचमेंट एरिया ट्रीटमेंट प्लान की स्वीकृति मिली है। जल्द ही जमीन पर इसका काम शुरू किया जाएगा। यह योजना अगले 8 सालों तक चलेगी। यह जानकारी सारंडा वन प्रमंडल पदाधिकारी चंद्रमौली प्रसाद सिन्हा व प्रशिक्षु आईएफएस प्रजेश कांता जेना ने दी है।

कहा- पीसीसीएफ (हेड ऑफ फॉरेस्ट फीस) अजय रस्तोगी की निजी रुचि के तहत प्रोजेक्ट का तेजी से निर्माण कराया गया है। ग्रांडड वर्क सेल व आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञों व आईएफएस प्रजेश जेना द्वारा किया गया है। इधर इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से सारंडा से होकर बहने वाली कोयना व कारो नदियों के अलावा यहां अवस्थित विभिन्न नालों व झरनों के सौंदर्य में निखार तो आएगा ही, साथ ही सारंडा में पर्यटन व रोजगार के रास्ते भी खुल सकेंगे।

यहां से निकली हैं कारो-कोयना नदी व नाले

सारंडा इलाके से ही कारो व कोयना नदियां निकली हैं। कारो का उद्गम स्थल करमपड़ा के पास भनगांव है। जबकि कोयना नदी सारंडा से ओडिशा स्थित इलाके से निकली है। वहीं यहां दूर-दूरी नाला, अकाईशिड़ा नाला, अंकुआ नाला, गुंदीजोड़ा नाला, जोरनगड़ा नाला, सरीका नाला, ओराईवुरु नाला के अलावा टायबो झरना, जाटिसिरिंग झरना, रानी डुवा

झरना, पुंदुल झरना आदि शामिल हैं। 1864 में पहली बार सिंहभूम के जंगलों को जांचा गया था। वहीं 700 पहाड़ियों से घिरे साल के पेड़ों के लिए प्रसिद्ध सारंडा का सीमांकन 1912 में हुआ था। इसका विस्तार झारखंड के अलावा ओडिशा में भी है। जबकि 17 मई 1982 में सारंडा को रिजर्व फॉरेस्ट घोषित किया गया था। यह 854.54 वर्ग किमी में फैला हुआ है।



■ भारत सरकार के निर्देश पर इस प्रोजेक्ट का निर्माण किया गया है। सारंडा में खनन के कारण मिट्टी कटाव व नदी-नालों व झरनों के पानी की गुणवत्ता में काफी गिरावट आई है। इसे रोकने व प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने, वन व वन्य जीवों के अस्तित्व को बचाने व सारंडा इलाके में इको टूरिज्म के जरिए रोजगार सृजन का काम किया जाएगा। जिसे 8 सालों में पूरा करना है। इसके लिए जल्द ही वन्य जीव विशेषज्ञ, वन विशेषज्ञ व तकनीकी जानकारों की एक टीम का गठन किया जाएगा। -चंद्रमौली प्रसाद सिन्हा, डीएफओ, सारंडा वन प्रमंडल, प्रजेश कांता जेना, प्रशिक्षु आईएफएस।


```
graph TD; A[Types of Interventions] --> B[CAT engineering Structures]; A --> C[Biodiversity Conservation measures]; A --> D[Eco Restoration Measures]; A --> E[Bio Restoration Within Lease area]; A --> F[Forest Supportive Infra.]
```

Types of Interventions

CAT
engineering
Structures

Biodiversity
Conservation
measures

Eco
Restoration
Measures

Bio
Restoration
Within Lease
area

Forest
Supportive
Infra.



LIVELIHOOD

Sal Leaf Plate Workshop



Bamboo Training



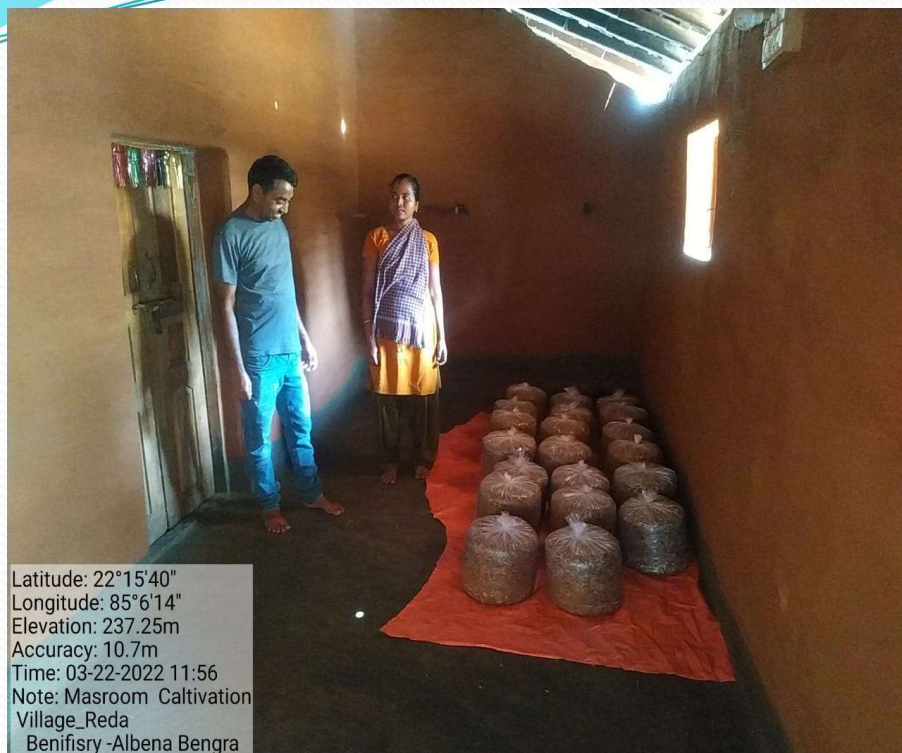
Bamboo craft training at Jaraikela



Bamboo craft training at Jaraikela

Silai Machine distribution at Jaraikela under Watershed





Health

Telemedicine village survey with AIIMS DELHI@THOLKOBAD



Vaccinations Camps in Van Grams during COVID-19



Fruiting Trees

- Plants of Litchi & Mango distributed in Kumdi village during Van Mahotsav.





FORESTRY

Roadside Plantation





Latitude: 22° 14' 2" N
Longitude: 85° 23' 35" E
Elevation: 399.38 ± 97 m
Accuracy: 3.0 m
Time: 28-11-2021 15:29
e

Ghatkuri

Powered by NoteCam

Makranda Plantation

- The area under Samta range is affected by NAXAL.
- After discussion 80 hac. plantation done.





TRAINING

Officers Training at FTS Chaibasa



Forest Guard Training



Snake Handling Training for Forest Frontline Staff at FTS, Chaibasa

Karate Class at FTS, Chaibasa



Field Visit at Simlipal



Field Visit at Dalma



Online Course

The image displays a mobile application interface for the Forester Training School, Chaibasa. The top navigation bar is dark blue with social media icons for Facebook, Twitter, LinkedIn, and Google+, along with a user profile icon and a share icon. Below this, a dark blue header bar contains a hamburger menu icon, the text "Forester Training School, Chaibasa", and a telephone icon. The main content area is light blue and features a white login card. The card has a title "Login" and two input fields: "User Name" and "Password". The password field is masked with asterisks. A red "Login" button is positioned below the password field. At the bottom of the card, there is a link that says "Don't have account? Sign UP". The bottom of the app has a dark blue footer bar with the text "About" and a red underline.

f t in G+ [User Icon] [Share Icon]

☰ Forester Training School, Chaibasa ☎

Login

User Name :

Password :

Login

Don't have account? [Sign UP](#)

About

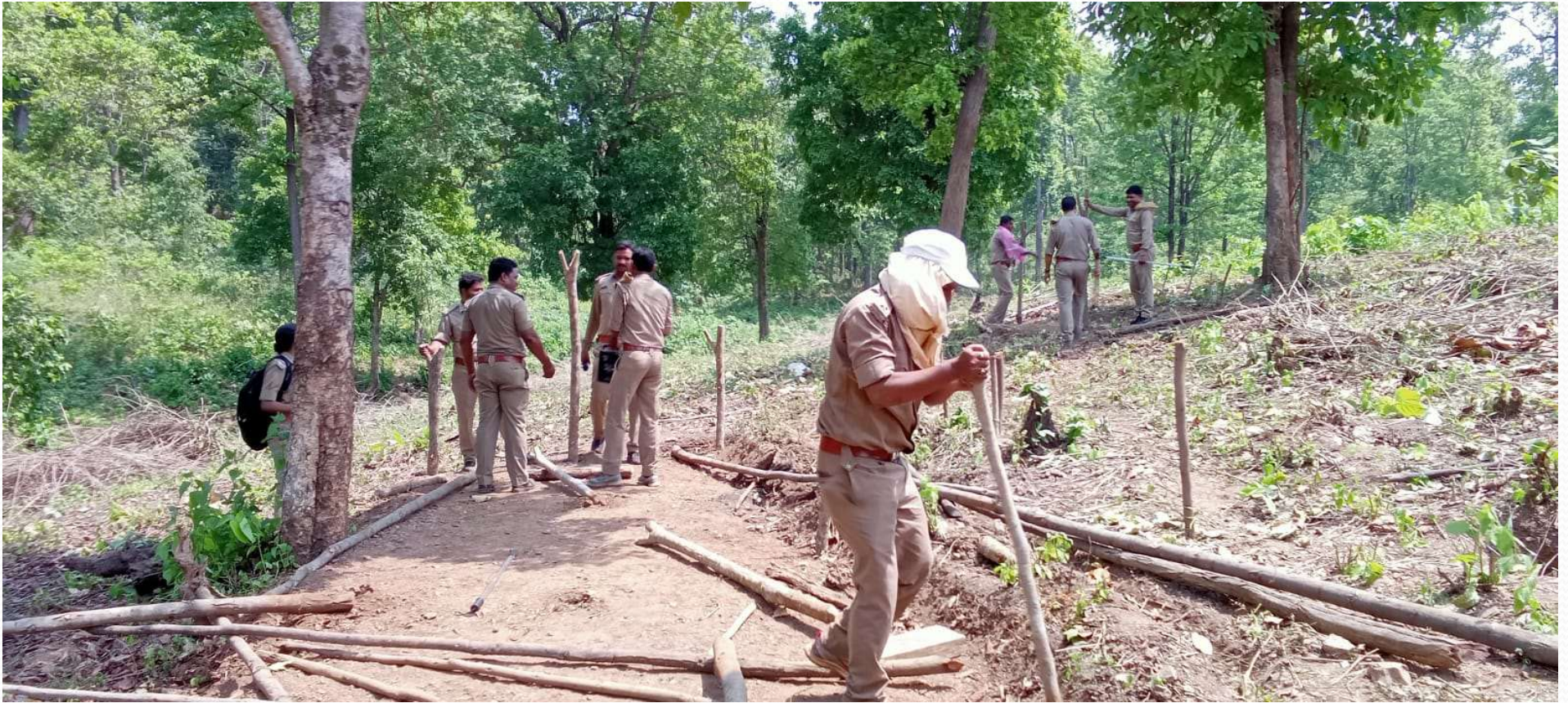


PROTECTION

Seizure, Raid



Encroachment removal near Kolbanga ,Koina range



Encroachment removal near Kolbanga ,Koina Range



Forest Fire

S.No.	Source	Fire Alert	Action
1	FSI	260	66
2	SELF	129	129
	Total	389	194

S.No.	Range	SMS Registration on FSI for Fire Alert
1	Koina	46
2	Sasangda	52
3	Samta	75
4	Gua	44
	Total	217

Vehicle and Fire Fighting Tools





POLICY

- Site Specific Plan
- District Environment Plan
- CAT Plan
- Elephant Plan
- Eco-Tourism Plan



ADMINISTRATIVE



Revenue

Revenue realized from mineral transact is

Rs. 1338328181.67(Rs 133.83 crore) from Oct 2020 to May 2022

PFMS Payments

- **Elephant Project(Rs.19,49,999)**
- **Forest Fire Prevention Management(Rs.11,01,490)**

A photograph of a two-lane asphalt road that curves gently to the right. The road is flanked by a dense forest of tall, thin trees with lush green foliage. White dashed lines mark the center of the road, and solid white lines define the edges. On the left side of the road, there are several black and yellow striped safety markers and a larger black and yellow striped signpost. The overall scene is peaceful and scenic. The text "Thank you" is overlaid in the center of the image in a light blue, serif font.

Thank you